RNI No. GUJHIN/2011/39228

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 15
अंक : 088
दि. 27.07.2025,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

मालदीव के स्वतंत्रता दिवस में चीफ गेस्ट बने पीएम मोदी, मुइज्जू बोले- बेहतर भविष्य के लिए रास्ता खुला

(जीएनएस)।

मालदीव की राजधानी माले के प्रतिष्ठित 'रिपब्लिक स्क्वायर' में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हुए. प्रधानमंत्री मोदी का मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू ने गर्मजोशी से स्वागत किया.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर मालदीव में हैं. आज उनके दौरे का आखिरी दिन है. मालदीव के स्वतंत्रता दिवस समारोह में भारत के प्रधानमंत्री ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की. राजधानी माले के प्रतिष्ठित 'रिपब्लिक स्क्वायर' में उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया. समारोह के दौरान प्रधानमंत्री मोदी मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू के साथ खड़े दिखे.

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान कई नेताओं से मुलाकात की है, जिसमें उपराष्ट्रपति

उज हुसैन मोहम्मद लतीफ और पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद भी शामिल हैं. उपराष्ट्रपति लतीफ और प्रधानमंत्री मोदी के बीच बुनियादी ढांचे, तकनीक और ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की गई.

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'हमारे देश बुनियादी ढांचे, तकनीक, जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा और अन्य क्षेत्रों में मिलकर काम कर रहे हैं. यह हमारे लोगों के लिए काफी फायदेमंद है. हम इस साझेदारी को आगे और मजबूत करना चाहते हैं.'

प्रधानमंत्री मोदी ने मालदीव की स्वतंत्रता की 60वीं वर्षगांठ पर शुभकामनाएं दीं. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया, 'प्रधानमंत्री के इस दो दिवसीय यात्रा के दौरान दोनों पक्षों ने भारत और मालदीव के गहरे और विशेष रिश्तों पर चर्चा की. उपराष्ट्रपति लतीफ ने संकट (आपदा) के समय भारत की ओर से आ रही मदद के लिए प्रधानमंत्री मोदी का धन्यवाद किया.'

मालदीव के उपराष्ट्रपति लतीफ ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलना उनके लिए सम्मान की बात है. इस साल भारत के साथ औपचारिक राजनयिक संबंधों की 60वीं वर्षगांठ है. हमने इस दौरान दोस्ती और सहयोग की यात्रा पर बात की. मुझे उम्मीद है कि भारत के साथ मजबूत सहयोग आगे भी जारी रहेगा.

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने पुनर्विकसित बाल वाटिका का लोकार्पण किया

बाल वाटिका का नया अवतार : बच्चों के बौद्धिक और शारीरिक विकास के लिए 22 करोड़ रुपए के खर्च से अद्यतन सुविधाओं के साथ बाल वाटिका का हुआ पुनर्विकास

ज्ञान, खेल और विज्ञान की त्रिवेणी का अद्भुत संगम : अब बाल वाटिका में डायनासोर पार्क से लेकर स्नो-पार्क तक का मिलेगा रोमांच

बच्चों के लिए नया नजराना, बाल वाटिका में फ्लाइंग थियेटर, वैक्स म्यूजियम और वर्चुअल रियलिटी (वीआर) जोन जैसे 20 से अधिक आकर्षण

गांधीनगर, 25 जुलाई : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार को अहमदाबाद महानगर पालिका की ओर से दक्षिण जोन के कांकरिया लेक फ्रंट परिसर में सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) के आधार पर 22 करोड़ रुपए की लागत से रिडेवलप (पुनर्विकसित) की गई बाल वाटिका का लोकार्पण किया।

उल्लेखनीय है कि अहमदाबाद महानगर पालिका के प्राणी उद्यान विभाग के अधीन आने वाली बाल वाटिका का उद्घाटन 1956 में किया गया था। बाल वाटिका में मौजूदा समय के अनुसार बच्चों का शारीरिक और बौद्धिक विकास सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न गतिविधियां तैयार की गई हैं। बाल वाटिका को पीपीपी के आधार पर पुनर्विकसित, आधुनिकीकरण और उन्नयन किया गया है।

बाल वाटिका में विभिन्न गतिविधियों को इस प्रकार तैयार किया गया है जिससे कि मौजूदा समय के अनुसार बच्चों का शारीरिक और बौद्धिक विकास सुनिश्चित हो सके। इसके लिए बाल वाटिका का पीपीपी के आधार पर पुनर्विकास, आधुनिकीकरण और उन्नयन किया गया है।

बाल वाटिका का पुनर्विकास, आधुनिकीकरण और उन्नयन करने के बाद यहां आने वाले बच्चों और अभिभावकों के मनोरंजन और आनंद के लिए विभिन्न गतिविधियां उपलब्ध होंगी।

इस बाल वाटिका एंट्री टिकट के साथ कुछ गतिविधियों को निःशुल्क भी रखा गया है, जिनमें कॉइन हाउस, कांच घर (एसी), शू हाउस, लैंडस्केप गार्डन, सेल्फी जोन और ग्वोल स्टेशन शामिल हैं।

नासा में 20% कर्मचारियों की छंटनी से भूचाल, कई मिशन पर संकट, क्यों छोड़ रहे हैं वैज्ञानिक

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है, जहाँ इसके लगभग 20 प्रतिशत कर्मचारियों के संस्थान छोड़ने की खबर ने अंतरिक्ष विज्ञान समुदाय में हलचल मचा दी है। यह निर्णय ऐसे समय पर आया है जब ट्रंप प्रशासन संघीय संस्थाओं के पुनर्गठन और आकार को सीमित करने की नीति पर आक्रामकता से काम कर रहा है। नासा द्वारा अपनाई गई डिफर्ड रेजिग्नेशन योजना के तहत अब तक 3,870 से अधिक कर्मचारी स्वेच्छा से इस्तीफा देने के लिए आवेदन कर चुके हैं। यह परिवर्तन केवल एक आँकड़ा भर नहीं, बल्कि नासा की दीर्घकालिक मिशन-क्षमता, सुरक्षा मानकों और वैज्ञानिक विशेषज्ञता के भविष्य पर गहराते प्रश्न हैं।

पीएम मोदी का ग्लोबल जलवा! बने दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता, ट्रंप समेत बाकी लीडर रह गए पीछे

(जीएनएस)।

पीएम मोदी ने एक बार फिर दुनिया भर में भारत का लोहा मनवाया है। अमेरिकी बिजनेस इंटेलिजेंस कंपनी मॉर्निंग कंसल्ट (टङ्ग१ल्वल्लॅ उङ्गल्ल२४'३) द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी लोगों के दिलों पर राज करते हुए और उनका विश्वास जीतते हुए वर्ल्ड नेताओं की 'डेमोक्रेटिक लीडर अप्रूवल रेटिंग' की लिस्ट में 75 प्रतिशत समर्थन के साथ टॉप पर हैं।

दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली जे म्युंग 59 प्रतिशत समर्थन के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 45 प्रतिशत से भी कम समर्थन के साथ आठवें स्थान पर रहे।

मॉर्निंग कंसल्ट सर्वे की रिपोर्ट ने देश के भीतर या बाहर, जनता के बीच प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता को और पुख्ता किया है। जैसा कि आंकड़ों से पता चला है। सर्वे में शामिल 75 प्रतिशत प्रतिभागियों ने प्रधानमंत्री मोदी को एक लोकतांत्रिक वर्ल्ड लीडर के रूप में स्वीकार किया। उनमें से सात प्रतिशत अपना मन नहीं बना पाए, जबकि 18 प्रतिशत ने इसके विपरीत सोचा।

लिस्ट में दूसरे सबसे लोकप्रिय वर्ल्ड लीडर दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली जे म्युंग थे, जिन्हें 59 प्रतिशत प्रतिभागियों ने स्वीकार किया। कम से कम 13 प्रतिशत प्रतिभागी यह नहीं बता पाए कि वे म्यांग के बारे में क्या सोचते हैं, जबकि 29 प्रतिशत ने अपनी असहमति व्यक्त की।

इस लिस्ट में दूसरा स्थान प्राप्त करना म्यांग के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, यह देखते हुए कि उन्हें दक्षिण कोरिया में सर्वोच्च पद ग्रहण किए हुए अभी केवल एक महीना ही हुआ है।

पीएम मोदी ने 4,800 करोड़ रुपये के इन प्रोजेक्ट का किया शुभारंभ, बोले- विकसित तमिलनाडु का निर्माण करेंगे

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को तमिलनाडु के तूतीकोरिन में 4,800 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने ब्रिटेन के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते को भारत के प्रति दुनिया के विश्वास और देश के आत्मविश्वास का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि सरकार विकसित भारत और विकसित तमिलनाडु का निर्माण करेगी।

पीएम मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' में स्वदेशी हथियारों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "मेक इन इंडिया हथियारों ने दुश्मन के ठिकानों को नष्ट करने में अहम भूमिका निभाई; ऐसे हथियारों से दुश्मन बेहाल हैं।" भारत ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी, के जवाब में पाकिस्तान व ढङ्कङ में आतंकी ठिकानों पर सैन्य कार्रवाई की थी। मालदीव की अपनी राजकीय यात्रा पूरी करने के बाद मोदी सीधे तूतीकोरिन पहुंचे थे।

प्रधानमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया, जो क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ावा देंगी, लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार करेंगी और स्वच्छ ऊर्जा बुनियादी ढांचे को मजबूत करेंगी। उन्होंने कहा, "बुनियादी ढांचा और ऊर्जा किसी भी राज्य के विकास की रीढ़ होते हैं। पिछले 11 वर्षों में इस पर हमारा ध्यान तमिलनाडु के विकास के प्रति हमारी संकल्प को दोहराता है।"

तूतीकोरिन हवाई अड्डे पर एक नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया गया, जिसे लगभग 450 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया है। 17,340 वर्ग मीटर में फैला यह टर्मिनल व्यस्त समय के दौरान 1,350 यात्रियों और सालाना 20 लाख यात्रियों को संभालने में सक्षम होगा।

पीएम मोदी ने दो अहम होईवे प्रोजेक्ट को भी राष्ट्र को समर्पित किया। इनमें NH-36 के 50 किलोमीटर लंबे सेतियाथोपे-चोलपुरम खंड का 4-लेन का निर्माण शामिल है, जिसे विक्रावंडी-तंजावुर कॉरिडोर के तहत 2,350 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित किया गया है। दूसरी परियोजना 5.16 किलोमीटर लंबा NH-138 तूतीकोरिन पोर्ट रोड है, जिसे लगभग 200 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है।

प्रधानमंत्री ने वी.ओ. चिदंबरनार पोर्ट पर 285 करोड़ रुपये की लागत से बने उत्तरी कार्गो बर्थ-III का उद्घाटन किया, जिसकी कार्गो हैं, डलिंग क्षमता 6.96 MMTPA है।

पीएम मोदी ने दक्षिणी तमिलनाडु में स्थायी और कुशल कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए तीन प्रमुख रेलवे बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को समर्पित किया। इनमें मदुरै-बोडिनायक्कनूर लाइन का विद्युतीकरण (90 किमी), नागरकोइल टाउन-कन्याकुमारी खंड का दोहरीकरण (21 किमी, तिरुवनंतपुरम-कन्याकुमारी परियोजना का हिस्सा), अरालवायमोझी-नागरकोइल जंक्शन (12.87 किमी) और तिरुनेलवेली-मेलप्पलायम (3.6 किमी) खंडों का दोहरीकरण शामिल है, जिस पर 650 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं।

उन्होंने एक प्रमुख बिजली पारेषण परियोजना की आधारशिला भी रखी - कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र इकाइयों 3 और 4 (2x1000 मेगावाट) से बिजली निकालने के लिए अंतर-राज्यीय पारेषण प्रणाली (ISTS)। लगभग 550 करोड़ रुपये की लागत से विकसित इस परियोजना में कुडनकुलम से तूतीकोरिन-II GIS सबस्टेशन तक 400 'V (क्वाड) डबल-सर्किट ट्रांसमिशन लाइन और संबंधित टर्मिनल उपकरण शामिल

'हमें कोई आपत्ति नहीं', पलटी मारने में उस्ताद निकला पाकिस्तान! टीआरएफ को अब क्यों मान रहा है आतंकी संगठन?

भारत का पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने अमेरिका द्वारा 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (TRF) को आतंकवादी संगठन घोषित करने के फैसले का समर्थन किया है। जबकि कुछ ही सप्ताह पहले वे इस संगठन को संयुक्त राष्ट्र के बयान से बचाने में जुटे थे। अब अमेरिका के सामने पाकिस्तान ने यू-टर्न लेते हुए कहा है कि उसे कोई आपत्ति नहीं। लेकिन TRF और लश्कर-ए-तैयबा के बीच संबंध को लेकर पाकिस्तान अब भी लीपापोती करता दिख रहा है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री TRF को आतंकवादी संगठन घोषित करने के अमेरिका के फैसले का समर्थन किया है।

थाइलैंड-कंबोडिया को ट्रम्प की धमकी, - युद्ध नहीं रोका तो बिजनेस नहीं, साथ ही भारत-पाक संघर्ष का किया जिक्र

(जीएनएस)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने थाईलैंड और कंबोडिया के बीच बढ़ते तनाव को भारत-पाकिस्तान संघर्ष की याद दिलाने वाला बताया है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि वह थाईलैंड और कंबोडिया के बीच युद्धविराम कराने की कोशिश कर रहे हैं।

ट्रम्प ने 'ट्रूथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा कि थाईलैंड और कंबोडिया के बीच युद्धविराम समझौता सुनिश्चित करने के प्रयास जारी हैं, और उन्होंने दोनों देशों के नेताओं से अलग-अलग फोन पर बात की है। उन्होंने कहा, "मैं एक जटिल स्थिति को सरल बनाने की कोशिश कर रहा हूं! इस युद्ध में कई लोग मारे जा रहे हैं, लेकिन यह मुझे पाकिस्तान और भारत के बीच संघर्ष की याद दिलाता है, जिसे सफलतापूर्वक रोका गया था।" यह बात ट्रम्प ने कंबोडिया के प्रधानमंत्री के साथ बातचीत के बाद कही।

भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में 7 मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद सैन्य संघर्ष हुआ था। यह ऑपरेशन पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था। यह ऑपरेशन जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में एक घातक आतंकवादी हमले के कुछ दिनों बाद शुरू किया गया था, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे।

पाकिस्तान द्वारा भारत में सेना के ठिकानों को निशाना बनाने के बाद दोनों देशों के बीच सैन्य संघर्ष हुआ, और 10 मई को युद्धविराम की घोषणा की गई। तब से, डोनाल्ड ट्रम्प ने कई बार दावा किया है कि उन्होंने युद्धविराम कराया, और उन्होंने इस कदम को व्यापार से जोड़ा। भारत ने उनके दावे को खारिज करते हुए कहा कि युद्धविराम द्विपक्षीय रूप से सहमति व्यक्त की गई थी, जबकि पाकिस्तान ने दोनों देशों के बीच तनाव कम करने का श्रेय ट्रम्प को दिया।

बॉक्स ऑफिस पर पैसों की सुनामी लेकर आई 'सैयारा', सातवें दिन भी कूटे पैसे

18 जुलाई को रिलीज हुई फिल्म 'सैयारा' ने सिनेमाघरों में 7 दिन पूरे कर लिए हैं। बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म कमाल कर रही है। 18 जुलाई को रिलीज हुई इस फिल्म की कुल कमाई 150 करोड़ रुपये से ज्यादा कर ली है। वीकडेज के बावजूद भी फिल्म अच्छा कलेक्शन कर रही है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने सातवें दिन 15.13 करोड़ रुपये की कमाई की है। इसके पहले छठवें दिन 21 करोड़ रुपये, पांचवें दिन 25 करोड़ रुपये, चौथे दिन 24 करोड़ रुपये, तीसरे दिन 35.75 करोड़ रुपये, दूसरे दिन 26 करोड़ रुपये और पहले दिन 21.5 करोड़ रुपये कमाए हैं। ऐसे में फिल्म की कुल कमाई 168.88 करोड़ रुपये की कमाई की है।

मुख्यमंत्री ने देवीपाटन एवं अयोध्या मण्डल के जनप्रतिनिधियों एवं लोक निर्माण, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

(जीएनएस)।

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि प्रदेश सरकार केवल योजनाएं बनाकर ही नहीं रुकती, बल्कि उन योजनाओं को धरातल पर उतारने और जनता तक लाभ पहुंचाने में भी विश्वास करती है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए शासन और जनप्रतिनिधियों के बीच सशक्त संवाद आवश्यक है।

मुख्यमंत्री जी आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में देवीपाटन एवं अयोध्या मण्डल के जनप्रतिनिधियों एवं लोक निर्माण, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। बैठक का उद्देश्य, जनप्रतिनिधियों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी प्राथमिकताओं और जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप विकास कार्यों की गति और गुणवत्ता सुनिश्चित करना था।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राज्य सरकार नगर निकायों को अलग से वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराती है

और सी0एम0 ग्रिड योजना के माध्यम से नगरों के समग्र विकास को नई दिशा दी जा रही है। उन्होंने कहा कि नगर निगम एवं नगर निकाय अपने-अपने क्षेत्र में संचालित विकास योजनाओं की समीक्षा करते समय स्थानीय जनप्रतिनिधियों को अवश्य शामिल करें। जनप्रतिनिधियों को योजनाओं की जानकारी देना, उनके सुझावों को शामिल करना और कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री जी ने विशेष रूप से इस बात पर बल दिया कि जिन नगर निकाय क्षेत्रों में ग्रामीण क्षेत्रों को शामिल किया गया है, वहां पर विशेष ध्यान दिया जाए। इन नए शहरीकृत गांवों में पेयजल, जलनिकासी, सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएं प्राथमिकता से पूरी करायी जाएं, ताकि नगरीय सुविधा और ग्रामीण पहचान के बीच सामंजस्य बना रहे।

मुख्यमंत्री जी ने जिला मुख्यालयों को 4-लेन और ब्लॉक मुख्यालयों को कम से कम 2-लेन की सड़कों से जोड़ने के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही, सभी विभाग ब्लैक स्पॉट्स की पहचान कर उन्हें तत्काल ठीक कराने के लिए समन्वित प्रयास करें।

सम्पादकीय

उपराष्ट्रपति के इस्तीफे से उठे सवाल

सोमवार रात अचानक सियासी विस्फोट हो गया। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इसने सियासी हलकों में हलचल मचा दी। स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए इस्तीपे से विपक्ष भी हैरान था। इससे अटकलों का बाजार गर्म हो गया। ऐसा नहीं कि भारत के संसदीय इतिहास में पहले किसी उपराष्ट्रपति ने पद से इस्तीफा न दिया हो।

श्री वीवी गिरी, श्री वेंकटरमन ने भी इस्तीफा दिया था, पर वह स्वेच्छा से दिया था। डॉक्टर शंकर दयाल शर्मा ने भी पद से इस्तीफा दिया था। पर वे सब इस्तीपे स्वेच्छा से राष्ट्रपति बनने के लिए दिए गए थे। श्री धनखड़ से तो लगता है कि इस्तीफा जबरन लिया गया। धनखड़ जी ने अपने इस्तीपे का कारण स्वास्थ्य खराब होने का बताया पर यह किसी के गले से नहीं उतर रहा, मानसून सत्र के पहले दिन उन्होंने पूरे दिन की राज्यसभा चलाई।

कहीं भी नजर नहीं आ रहा था कि वह इतने अस्वस्थ हैं कि सदन को नहीं चला सकते। उनके इस्तीपे के पीछे कई तरह के विश्लेषण हो रहे हैं।

मीडिया में उनके इस्तीपे के पीछे कई विशलेषण चल रहे हैं। मैं इस लेख में वुछ प्रमुख समाचार पत्रों के संपादकीय विश्लेषणों का वर्णन कर रहा हूं।

इससे पाठकों को वुछ समझ आ जाएगी उम्मीद करता हूं। प्रमुख अखबारों ने भी इस्तीपे की असली वजह ढूढने की कोशिश की है। इस अचानक उठाए गए कदम के पीछे अधिकतर विश्लेषण कर रहे हैं कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के यहां कथित नकद बरामदगी के चलते महाभियोग प्रस्ताव लाने को लेकर दो अलग-अलग हस्ताक्षर अभियान की शुरूआत। मानसून सत्र की शुरूआत से पहले ही सरकार ने स्पष्ट कर दिया था कि वह जस्टिस वर्मा को हटाने के लिए प्रस्ताव लाएगी ताकि न्यायाधीश को हटाने की प्रव्रिया सर्वसम्मति से हो और इसे पक्षपातपूर्ण न समझा जाए।

द इंडियन एक्सप्रेस ने एक विपक्षी सांसद के हवाले से लिखा है कि वह इस प्रव्रिया से एनडीए सदस्यों को दूर रखना चाहते थे कि इस मुद्दे पर सरकार नैतिक ऊंचाइयां हासिल कर ले, पर धनखड़ जी ने विपक्ष का प्रस्ताव स्वीकार कर सरकार को नाराज कर दिया। यह प्रस्ताव राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने खारिज कर दिया था। हो सकता है कि सदन चलाने के उनके तरीके को लेकर सत्ता पक्ष के शीर्ष नेतृत्व से भी उनका मतभेद हुआ हो। इसी साल अप्रैल में उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के एक पैसले को लेकर कहा था कि अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकतीं। यही नहीं उन्हें तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश से यहां तक कह दिया था कि वह न्यूक्लियर मिसाइल संसद पर चला रहे हैं। कोई भी सरकार यह नहीं चाहती कि कार्यपालिका का न्यायपालिका से इतना सीधा टकराव हो। यह भी एक कारण हो सकता है भाजपा आलाकमान के धनखड़ से नाराज होने का।

श्री धनखड़ एकमात्र उपराष्ट्रपति हैं जिनके खिलाफ विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव लाने का भूतपूर्व कदम उठाया। धनखड़ जिस संवैधानिक पद पर आसीन थे, वहां नाटकीयता नहीं, शालीनता की जरूरत थी। यह कहना अन्यायपूर्ण नहीं होगा कि धनखड़ कई बार न संयमित नजर आए और न ही निष्पक्ष। उन्होंने कई बार ऐसी भाषा और तेवर अपनाए जो संवैधानिक पद के अनुरूप नहीं कहे जा सकते। हिंदुस्तान टाइम्स ने अपने संपादकीय में लिखा जगदीप धनखड़ ने वुछ ही दिन पहले कहा था कि मैं सही समय पर रिटायर होंगा। अगस्त 2027 में अगर ईश्वर का कोई हस्तक्षेप न हो तो। लेकिन उन्होंने वुछ ही दिनों बाद अपना पद छोड़ दिया। उन्हें राज्य सभा में कोई औपचारिक विदाई तक नहीं दी गई। विपक्ष कह रहा है कि सरकार को चाहिए कि वह इसकी वजह बताए ताकि बगैर आधार वाली अटकलें और साजिश की थ्योरी को दरकिनार करा जा सवें। अखबार लिखता है, क्या धनखड़ ने कोई रेड लाइन पार कर ली थी? अगर ऐसा है तो क्यों और वैसे? देश को इस बारे में जानने का पूरा हक है। उपराष्ट्रपति का पद संवैधानिक पद है, इसकी गरिमा को पवित्रता, संदेह और अफवाहों के दायरे में नहीं आनी चाहिए। यह सही है कि उनका स्वास्थ्य पिछले दिनों खराब था। पर वह ठीक होकर सार्वजनिक जीवन में लौट आए थे।

बाहुबलियों की विरासत पर सियासी जंग, कोई बेटा उतरेगा मैदान में, किसी का भाई या पत्नी ने कसी कमर

बिहार की राजनीति में बाहुबलियों का असर दशकों से देखने को मिलता रहा है। कई नेता जेल में रहते हुए भी चुनाव जीते, सरकारें बनाईं और सत्ता की चाभी अपने हाथ में रखी। लेकिन अब इस सत्ता समीकरण में थोड़ा बदलाव दिख रहा है। 2025 के विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, बाहुबलियों के परिवार के सदस्य बेटे, भाई या पत्नी-सियासी विरासत संभालने की तैयारी में लग चुके हैं। वे न सिर्फ पारिवारिक पहचान के सहारे उतरना चाहते हैं, बल्कि पार्टी से टिकट पाने की पूरी कवायद भी शुरू हो चुकी है।

इस रिपोर्ट में विस्तार से जानिए, कौन-कौन मैदान में उतरने की तैयारी में है, किस बाहुबली के परिवार से कौन चुनाव लड़ेगा, संभावित सीटें और पार्टियों की रणनीति और क्या यह सिर्फ नामों की अदला-बदली है या बिहार की राजनीति में किसी नए दौर की शुरूआत?

आनंद मोहन - बेटे चेतन और पत्नी के सहारे सियासी वापसी की तैयारी

बिहार की राजनीति में बाहुबल और रसूख के प्रतीक माने जाने वाले आनंद मोहन एक बार फिर सुर्खियों में हैं। क्अर अधिकारी जी. कृष्णैया हत्याकांड में लंबी सजा काटने के बाद हाल ही में जेल से रिहा हुए आनंद मोहन खुद सीधे चुनावी मैदान में नहीं हैं, लेकिन उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षा अब बेटे और पत्नी के जरिए आगे बढ़ रही है।

उनके बेटे चेतन आनंद, जो वर्तमान में फ्खउ के विधायक हैं, 2025 के विधानसभा चुनाव में अपनी सीट बचाने के लिए जोर-शोर से तैयारी कर रहे हैं। वहीं, आनंद मोहन की पत्नी लवली आनंद भी सक्रिय राजनीति में बनी हुई हैं वे शिवहर से सांसद रह हैं। फ्खर्ा छोड़ खउ्र में शामिल हो चुके आनंद मोहन परिवार को आगामी विधानसभा चुनाव में किसी एक सदस्य के लिए टिकट मिल सकता है।

क्या अनंत सिंह की विरासत संभालेंगी नीलम देवी?

मोकामा के बाहुबली नेता अनंत सिंह अब चुनावी राजनीति से बाहर हैं, लेकिन उनकी पत्नी नीलम देवी मैदान में डटी हैं। 2020 में फ्खउ से

विधायक बनीं, लेकिन 2024 लोकसभा चुनाव में अनंत सिंह ने खउ्र का साथ दिया। अब नीलम देवी भी जेडीयू के करीब नजर आ रही हैं। पर क्या नीतीश कुमार उन्हें टिकट देंगे? यह बड़ा सवाल है। सियासी विरासत, दल-बदल और टिकट की टेंशन के बीच मोकामा की राजनीति एक बार फिर दिलचस्प मोड़ पर है।

राजबल्लभ यादव - पत्नी ने थामी कमान

बिहारशरीफ से फ्खउ के पूर्व विधायक राजबल्लभ यादव नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप में दोषी करार दिए गए। उनकी गैरमौजूदगी में उनकी पत्नी विभा देवी अब पार्टी की प्रमुख चेहरा बन चुकी हैं। संभावना है कि वह फिर से चुनाव लड़ेंगी।

प्रभुनाथ सिंह - भाई और बेटे को उतारने की तैयारी

सारण से पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह भी हत्या के मामले में सजा काट रहे हैं। उनके परिवार की ओर से उनके भाई और बेटे दोनों ही चुनावी रणनीति में सक्रिय हैं। माना जा रहा है कि महाराजगंज या गोपालगंज में से किसी एक सीट से परिवार का कोई सदस्य चुनावी मैदान में होगा।

मुन्ना शुक्ला - पत्नी अन्नू शुक्ला की वापसी तय

विलासपुर कांड के आरोपी और कई बार के विधायक मुन्ना शुक्ला की पत्नी अन्नू शुक्ला पहले भी विधायक रह चुकी हैं। 2025 में वह फिर से वैशाली जिले की किसी सीट से ठउ्र के सहयोग से मैदान में उतर सकती हैं।

पप्पू यादव की सियासी चालः खुद मैदान में

पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव 2025 के विधानसभा चुनाव में एक बार फिर दमखम से उतरने की तैयारी में हैं। जनसमस्याओं पर मुखर रहने वाले पप्पू खुद को 'जनता का नेता' कहते हैं।

रामा सिंह - बेटे पर दांव

लोक जनशक्ति पार्टी से जुड़ाव रखने वाले बाहुबली रामा सिंह खुद तो अब सक्रिय नहीं हैं, लेकिन उनके बेटे देवेंद्र सिंह राजनीति में उतारने की तैयारी कर रहे हैं। वैशाली सीट से उन्हें टिकट मिलने की चर्चा है।

सुनील पांडे बेटे के जरिए फिर से सियासी पावर में

बिहार की राजनीति में एक दौर में बाहुबली की पहचान रखने वाले सुनील पांडे अब खुद तो चुनावी मैदान में नहीं हैं, लेकिन उनके बेटे विशाल प्रशांत के जरिए उन्होंने सियासी वापसी कर ली है। तरारी उपचुनाव में बीजेपी उम्मीद

वार के तौर पर विशाल की जीत ने यह साफ कर दिया कि पांडे परिवार का असर अब भी कायम है।

अशोक महतो - जेल से रिहा होकर रचाई शादी

बिहार के कुख्यात लेकिन राजनीतिक रूप से सक्रिय चेहरों में शामिल अशोक महतो 2024 लोकसभा चुनाव से पहले ही जेल से रिहा हुए थे। राजद (फ्खउ) ने उन्हें मुंगेर लोकसभा सीट से टिकट दिया, लेकिन कानूनी वजहों से वे खुद चुनाव नहीं लड़ सके।

ऐसे में उन्होंने चुनाव से ठीक पहले एक महिला से शादी की और फिर उसे अपना चुनावी चेहरा बनाया। उनकी पत्नी ने ही मुंगेर से राजद के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा। लेकिन केंद्रीय मंत्री ललन सिंह के हाथों हार झेलनी पड़ी। अशोक महतो अब 2025 विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटे हैं और माना जा रहा है कि या तो वे खुद मैदान में उतरेंगे या फिर पत्नी को आगे रखकर अपने प्रभाव को बनाए रखेंगे।

पाकिस्तान में जन्म, टेढ़ी गर्दन के ताने, फिर कैसे बनीं भारत की सबसे युवा सीईओ?

'मैं SIP बेचती हूं, लेकिन कहती हूं-बचत जरूरी है, पर वो चीजें जरूर खरीदो जो दिल को सुकून दें'...ये लाइन किसी मोटिवेशनल स्पीकर की नहीं, बल्कि भारत की फाइनेंशियल वर्ल्ड की बॉस लेडी की है-राधिका गुप्ता। वो नाम, जो आज करोड़ों निवेशकों की सोच को बदल रही है। जिनकी लाइफ स्टोरी सिर्फ आंकड़ों और सक्सेस की नहीं, बल्कि इमोशन्स, संघर्ष और हिम्मत की मिसाल है।

सोचिए, एक लड़की-जिसका जन्म पाकिस्तान में हुआ, बचपन में 'टेढ़ी गर्दन वाली लड़की' के नाम से चिढ़ाया गया। जिसने 7 जॉब रिजेक्शन झेले, डिप्रेशन से लड़ते हुए आत्महत्या तक का ख्याल त्यागा, लेकिन आज वो एडलवाइस म्यूचुअल फंड की उएड हैं। वो भी सिर्फ 34 साल की उम्र में! राधिका की नेट वर्थ आज करोड़ों में है, लेकिन उससे भी बड़ी उनकी वो प्रेरणा है, जो लाखों लड़कियों को ये यकीन दिलाती है कि 'कहानी चाहे कितनी भी उलझी हो, उसका क्लाइमैक्स शानदार हो सकता है।' तो चलिए, जानें राधिका गुप्ता की ये सच्ची, मगर फिल्मी-सी कहानी- पाकिस्तान से लेकर पैसों की दुनिया की रानी बनने तक, जिसमें है स्ट्रगल, प्यार और एक जबरदस्त कमबैक है...

2025 में राधिका गुप्ता की नेट वर्थ

2025 में राधिका गुप्ता की कुल संपत्ति करीब 41 करोड़ रुपये आंकी गई है। एडलवाइस एसेट मैनेजमेंट की CEO के तौर पर उनका वेतन, बोनस, और निवेशों से मिलने वाला रिटर्न इस संपत्ति का बड़ा हिस्सा है। उनके नेतृत्व में एडलवाइस म्यूचुअल फंड की संपत्ति 2017 में 6,700 करोड़ रुपये से बढ़कर 2023 तक 1,04,896 करोड़ रुपये हो गई। राधिका ने भारत में पहला कॉर्पोरेट बॉन्ड ETF (भारत बॉन्ड ETF) लॉन्च किया, जिसने आम लोगों के लिए निवेश को आसान बनाया। उनकी स्मार्ट रणनीतियों और इनोवेशन ने न केवल कंपनी को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया, बल्कि उनकी व्यक्तिगत संपत्ति को भी बढ़ाया।

पाकिस्तान में जन्म, दुनिया भर में बचपन

राधिका का जन्म 14 सितंबर 1983 को पाकिस्तान के इस्लामाबाद में हुआ, जहां उनके पिता योगेश गुप्ता, एक भारतीय विदेश सेवा (IFS) अधिकारी, तैनात थे। उनकी मां आरती गुप्ता एक शिक्षिका और स्कूल प्रिंसिपल थीं। पिता की डिप्लोमैटिक पोस्टिंग्स के कारण राधिका का बचपन दिल्ली, न्यूयॉर्क, नाइजीरिया, और इटली में बीता। उन्होंने दिल्ली पब्लिक स्कूल, अबुजा (नाइजीरिया) के अमेरिकन इंटरनेशनल स्कूल, और रोम के मैरीमाउंट इंटरनेशनल स्कूल में पढ़ाई की। इसके बाद, उन्होंने अमेरिका के प्रतिष्ठित पेन्सिल्वेनिया विश्वविद्यालय से व्हार्टन स्कूल में अर्थशास्त्र और स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग से इंजीनियरिंग में डिग्री हासिल की। इस मजबूत शैक्षिक पृष्ठभूमि ने उनकी सोच को ग्लोबल बनाया, जो बाद में उनके करियर में काम आई।

टेढ़ी गर्दन, अपमान, और आत्मविश्वास की कमी

राधिका की जिंदगी आसान नहीं थी। वह जन्म से ही टेढ़ी गर्दन (टॉरटिकोलिस) के साथ पैदा हुईं, जिसके कारण स्कूल-कॉलेज में उन्हें ताने सुनने पड़े। उनके भारतीय लहजे और नाम की वजह से अमेरिका में स्कूल में उन्हें 'अपू' (सिम्पसन्स का किरदार) कहकर चिढ़ाया जाता था। राधिका ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, 'टेढ़ी गर्दन की वजह से मेरा मजाक बनता था। हर स्कूल में मैं नई और अजनबी थी। लेकिन ये ताने मुझे घर से बाहर निकलने से नहीं रोक पाए।'

22 साल की उम्र में राधिका ने और भी बड़ा झटका झेला। सात जॉब इंटरव्यू में रिजेक्शन के बाद वह इतनी हताश हो गईं कि आत्महत्या के बारे में सोचने लगीं। उन्होंने बताया, 'मैंने खिड़की से बाहर देखा और सोचा, मैं कूद जाऊंगी।' लेकिन एक दोस्त की मदद और मनोचिकित्सक की सलाह ने उन्हें इस अंधेरे दौर से बाहर निकाला। आखिरी इंटरव्यू में उन्हें मैकिन्से एंड कंपनी में नौकरी मिली, और यहीं से उनकी जिंदगी ने नया मोड़ लिया।

करियर की शुरूआतः रिजेक्शन से रिकॉर्ड तक

राधिका ने अपने करियर की शुरूआत मैकिन्से एंड कंपनी में बिजनेस एनालिस्ट के तौर पर की, जहां उन्होंने बिजनेस स्ट्रैटेजी और प्रॉब्लम-सॉल्विंग के गुर सीखे। इसके बाद वह अदफ कैपिटल मैनेजमेंट में शामिल हुईं, जहां उन्होंने निवेश रणनीतियों पर काम किया। 2009 में, उन्होंने अपने पति नलिन मोनिज के साथ मिलकर भारत में फोरफ्रंट कैपिटल मैनेजमेंट शुरू किया, जो देश का पहला लाइसेंस प्राप्त हेज फंड था।

2014 में फोरफ्रंट का एडलवाइस ग्रुप में विलय हुआ, और 2017 में, मात्र 34 साल की उम्र में, राधिका एडलवाइस म्यूचुअल फंड की उएड बनीं। उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि थी भारत बॉन्ड एळक्ष् की शुरूआत, जिसने आम लोगों के लिए बॉन्ड मार्केट में निवेश को आसान बनाया। उनके नेतृत्व में कंपनी ने 2017 में 30वें स्थान से 2023 तक 13वें स्थान पर छलांग लगाई।

'रक्ढ ही नहीं, खुशी में भी खर्च करो'

राधिका न केवल फाइनेंशियल गुरु हैं, बल्कि जिंदगी को संतुलित जीने की हिमायती भी हैं। हाल ही में पर उनकी एक पोस्ट वायरल हुई, जिसमें उन्होंने लिखा, 'मैं रक्ढ बेचती हूं, लेकिन कहती हूं-बचत करो, पर उन चीजों पर खर्च भी करो जो खुशी देती हैं। जिंदगी का NAV सबसे ज्यादा रुपये से नहीं, बल्कि खुशी से बनता है। यह सलाह युवाओं को बचत और खुशी के बीच बैलेंस बनाने की प्रेरणा देती है।

शार्क टैंक इंडिया और स्टार्टअप्स में निवेश

राधिका ने शार्क टैंक इंडिया सीजन 3 में जज के तौर पर भी अपनी छाप छोड़ी। उन्होंने दिल फूड्स और ज्वेल बॉक्स जैसे स्टार्टअप्स में निवेश किया, जिससे उनकी नेट वर्थ में और इजाफा हुआ। उनकी स्मार्ट इनवेस्टमेंट स्ट्रैटेजी और स्टार्टअप्स को सपोर्ट करने की सोच ने उन्हें युवा उद्यमियों के बीच रोल मॉडल बनाया है।

पर्सनल लाइफः पति और बेटा

राधिका के पति नलिन मोनिज एडलवाइस में ऑल्टरनेटिव इक्विटी के चीफ इनवेस्टमेंट ऑफिसर हैं। दोनों ने पेन्सिल्वेनिया विश्वविद्यालय में साथ पढ़ाई की और 2009 में फोरफ्रंट कैपिटल शुरू किया। जून 2022 में उनके बेटे रेमी गुप्ता मोनिज का जन्म हुआ। राधिका अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ को बखूबी बैलेंस करती हैं।

राधिका गुप्ता की जिंदगी मुश्किलों से जंग जीतने और सपनों को सच करने की मिसाल है। पाकिस्तान में जन्म, टेढ़ी गर्दन के ताने, और रिजेक्शनों के बावजूद उन्होंने भारत की सबसे युवा उएड बनकर दिखाया। उनकी 41 करोड़ की नेट वर्थ उनकी मेहनत और दूरदर्शिता का नतीजा है। राधिका न केवल वित्तीय जगत में बदलाव ला रही हैं, बल्कि अपनी कहानी से लाखों लोगों को प्रेरित भी कर रही हैं। उनका संदेश साफ है- पैसे बचाओ, निवेश करो, लेकिन खुशी को भी जीयो!

शुभमन गिल ने सभी एशियाई खिलाड़ियों को छोड़ा पीछे, इंग्लैंड में बनाया ऐतिहासिक रिकॉर्ड, बन गये टॉप बल्लेबाज

(जीएनएस)।

इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर टेस्ट मैच में भारत की दूसरी पारी में खेलते हुए शुभमन गिल का बल्ला चल गया। मुश्किल स्थिति में वह बैटिंग करने के लिए आए और जिम्मेदारी का निर्वहन करने का मन बनाकर खेलते हुए उन्होंने एक बड़ा कीर्तिमान भी बना डाला।

क्रीज पर गिल उस समय आए, जब भारत ने बिना कोई रन बनाए दो विकेट गंवा दिए। यह सब पहले ओवर में ही हो गया था। इसके बाद ऐसा लग रहा था कि टीम इंडिया आज के दिन में आउट होकर मैच हार जाएगी, तभी कप्तान गिल ने अंग्रेजों की धुनाई की।

वह इंग्लैंड में एक टेस्ट सीरीज के दौरान सबसे ज्यादा रन बनाने वाले एशियाई खिलाड़ी बन गए, इस लिस्ट में टॉप स्थान हासिल करते हुए गिल ने इतिहास रचने का काम कर दिया। उनके बल्ले से धाकड़ फिफ्टी भी देखने को मिली। इस कीर्तिमान में उन्होंने पाकिस्तान के एक बड़े

खिलाड़ी को पीछे कर दिया।

पाकिस्तान के शानदार खिलाड़ी मोहम्मद युसूफ को शुभमन गिल ने पीछे छोड़ दिया। युसूफ ने साल 2006 में पाकिस्तान के लिए खेलते हुए 4 टेस्ट में 631 रन बनाए थे। गिल अब इस आंकड़े से आगे निकल गए और टॉप बल्लेबाज बन गए। उनका एक दोहरा शतक भी देखने को मिला है। गिल ने कुल तीन शतकीय पारियां

गिल और केएल राहुल दोनों ने ही भारत के स्कोर जीरो से शुरू किया और तीसरे विकेट के लिए शतकीय भागीदारी कर डाली। भारत के लिए इस तरह की कंडीशन में पहले भी तीसरे विकेट के लिए शतकीय भागीदारी हुई है। मोहिन्दर अमरनाथ-गुंडप्पा विश्वनाथ ने 1977 में यह काम किया था। उस समय सामने ऑस्ट्रेलिया की टीम थी।

पहली पारी के दौरान गिल सस्ते में आउट होकर चले गए थे लेकिन इस बार उन्होंने अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन किया और शानदार फॉर्म को आगे बढाते हुए फिफ्टी जमाई और संयमित रहकर बैटिंग करने का प्रयास किया। दिन का खेल समाप्त होने तक राहुल भी फिफ्टी जड़कर काफी आगे निकल गए थे, वह 87 और गिल 78 रन बना नाबाद लौटे और भारत का स्कोर 2 विकेट पर 174 रन था।

जुलाई के अंतिम सप्ताह में कब-कब बंद बैंक? जानें आज क्यों छुट्टी?

(जीएनएस)।

इस साल के जुलाई माह का अंत करीब है। ऐसे में अगर आप आज या कल, 26-27 जुलाई 2025 को बैंक शाखा में जाने की योजना बना रहे हैं, तो रुक जाइए! भारतीय रिजर्व बैंक (फ्ह्क) के कैलेंडर के अनुसार, दोनों दिन देशभर में बैंक बंद रहेंगे।

कारण? 26 को महीने का चौथा शनिवार है, और 27 को साप्ताहिक अवकाश है, जो फ्ह्क के नियमों के तहत बैंक अवकाश होता है। आइए, इस अवकाश के बारे में विस्तार से जानते हैं और यह भी समझते हैं कि कौन-सी सेवाएं प्रभावित होंगी-

क्यों बंद हैं आज बैंक?

फ्ह्क के दिशानिर्देशों के मुताबिक, बैंक हर महीने के पहले, तीसरे और पांचवें शनिवार को खुलते हैं, जबकि दूसरे और चौथे शनिवार को अवकाश रहता है। 26 जुलाई 2025, जो कि जुलाई का चौथा शनिवार है, नियमित बैंक अवकाश के तहत सभी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी।

कौन-सी सेवाएं रहेंगी प्रभावित?

बंद रहेंगी शाखाएंः आज सभी बैंकों की फिजिकल शाखाएं बंद रहेंगी। नकद जमा, चेक क्लीयरेंस, लोन से जुड़ी प्रक्रियाएं या शाखा-आधारित ग्राहक सहायता जैसी सेवाएं उपलब्ध नहीं होंगी।

ऑनलाइन सेवाएं चालूः अच्छी खबर यह है कि ऑनलाइन बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, वढक ट्रांजेक्शन और एटीएम सेवाएं सामान्य रूप से काम करेंगी। आप घर बैठे अपने बैंकिंग काम निपटा सकते हैं।

जुलाई 2025 में अन्य बैंक अवकाश

27 जुलाई 2025 (रविवार): रविवार होने के कारण देशभर में बैंक बंद रहेंगे।

27 जुलाई 2025 (गंगटोक): सिक्किम के गंगटोक में द्रुकपा त्से-जी के अवसर पर बैंक अवकाश रहेगा।

अगस्त 2025 में बैंक अवकाश की पूरी लिस्ट

अगस्त में शनिवार और रविवार की छुट्टियों के अलावा कुल 9 बैंक अवकाश होंगे। ये हैं अगले महीने की छुट्टियांः-

8 अगस्त (शुक्रवार): गंगटोक में टेंडोंग लो रम फात के लिए बैंक बंद।

9 अगस्त (शनिवार): रक्षाबंधन और झूलाना पूर्णिमा के लिए अवकाश।

13 अगस्त (बुधवार): देशभक्त दिवस पर बैंक बंद।

15 अगस्त (शुक्रवार): स्वतंत्रता दिवस के लिए देशभर में अवकाश।

16 अगस्त (शनिवार): जन्माष्टमी (श्रावण वद-8)/कृष्ण जयंती।

19 अगस्त (मंगलवार): अगरतला में महाराजा बीर बिक्रम किशोर माणिक्य बहादुर का जन्मदिन।

25 अगस्त (सोमवार): गुवाहाटी में श्रीमंत शंकरदेव की तिरुभाव तिथि।

27 अगस्त (बुधवार): गणेश चतुर्थी/संवत्सरी/वारासिद्धि विनायक व्रत/विनायक चतुर्थी। 28 अगस्त (गुरुवार): गणेश चतुर्थी (दूसरा दिन)/नुआखाई के लिए पणजी में बैंक बंद।

अगर आपको आज किसी जरूरी बैंकिंग काम के लिए शाखा जाना था, तो इसे सोमवार, 28 जुलाई 2025 के लिए टाल दें। ऑनलाइन बैंकिंग या एटीएम का इस्तेमाल करके आप अपने जरूरी ट्रांजेक्शन पूरे कर सकते हैं। साथ ही, अगस्त की छुट्टियों की लिस्ट देखकर पहले से अपनी बैंकिंग योजनाएं बना लें, ताकि कोई असुविधा न हो।

1 साल का बच्चा बना कोबरा का काल, दांतों से चबा डाला जहरीला सांप!, जानिए पूरा मामला

(जीएनएस)।

"जब जहर से भरे फन वाले कोबरा को देखकर बड़े-बड़े लोगों की रूह कांप जाती है, वहां बिहार के एक साल के बच्चे ने वही कोबरा खेल-खेल में काट डाला।" बिहार के पश्चिम चंपारण ज़िले के मझौलिया प्रखंड से ऐसी घटना सामने आई है, जिसे सुनकर विज्ञान भी हैरान है और आम लोग दंग।

मझौलिया के मोहच्छी बनकटवा गांव में एक वर्षीय मासूम ने कोबरा सांप को अपने दूध के दांतों से काटकर मौत के घाट उतार दिया। लोग इसे चमत्कार मान रहे हैं, जबकि डॉक्टर इसे 'स्नेकबाइट मिथ' से जोड़कर देख रहे हैं।

घर पर खेल रहा था मासूमः घटना शुक्रवार दोपहर की है, जब मोहच्छी बनकटवा गांव निवासी सुनील साह का एक साल का बेटा गोविंदा अपने घर में खेल रहा था। इस दौरान घर के

अंदर एक कोबरा सांप घुस आया। गोविंदा की दादी मातेश्वरी देवी के मुताबिक, गोविंदा ने उस सांप को खिलौना समझा और पकड़ लिया। इसके बाद जो हुआ, उसने पूरे गांव को चौंका दिया।

बच्चे ने न सिर्फ सांप को काट लिया, बल्कि उसे दाँतों से दो टुकड़ों में चीर दिया। कोबरा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। कुछ ही देर में गोविंदा बेहोश हो गया, जिससे परिवार में हड़कंप मच गया। तुरंत ही उसे मझौलिया पीएचसी ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेतिया जीएमसीएच (सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल) रेफर किया गया।

डॉक्टर की रायः अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. दिवाकांत मिश्रा ने बताया कि "बच्चे में जहर के कोई लक्षण नहीं पाए गए हैं। संभव है कि सांप ने बच्चे को काटा ही नहीं या उसका फन दबा हुआ था। गोविंदा अब खतरे से बाहर है और उसका इलाज जारी है।"

गांव में चर्चा का विषयः यह खबर आग की तरह पूरे गांव और आसपास के इलाकों में फैल गई। जहां एक ओर लोग इसे ईश्वर का चमत्कार मान रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग सांप और बच्चे की शारीरिक प्रतिक्रिया को लेकर चर्चा कर रहे हैं।

RNI No. GUJGUJ/2011/39228 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004, Ahmedabad,Gujarat-380 004. (2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002 (3) HARDIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002. and Published from TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005. Editor : MANOJKUMAR CHAMPKLAL SHAH

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक द्वारा महेसाणा-साबरमती सेक्शन का गहन निरीक्षण

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक (जीएम) श्री विवेक कुमार गुप्ता ने दिनांक 26.07.2025 को अहमदाबाद मंडल के महेसाणा-साबरमती सेक्शन का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संरक्षा, सुरक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चरल कार्यों का गहन निरीक्षण किया और स्टेशन पर यात्री सुविधाओं सहित मण्डल पर चल रहे विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।

श्री गुप्ता ने साबरमती में इंटीग्रेटेड कोचिंग डिपो (आईसीडी) और वंदे भारत के ट्रेनसेट मेंटेनेंस डिपो का विशेष रूप से दौरा किया। इन डिपो का निरीक्षण कर उन्होंने रखरखाव और परिचालन संबंधी प्रक्रियाओं का आकलन किया। उन्होंने साबरमती और अहमदाबाद स्टेशनों पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों का भी अवलोकन किया। इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए, महाप्रबंधक ने अधिकारियों को सभी रेल परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

महेसाणा स्टेशन पर महाप्रबंधक ने रिले रूम, मास्टर केबिन, बुकिंग काउंटर, फुट ओवर ब्रिज और प्लेटफॉर्म सहित विभिन्न यात्री सुविधाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने यात्रियों को प्रदान की जा रही सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। अहमदाबाद स्टेशन पर मुख्य परियोजना प्रबंधक (आरएलडीए) श्री संजीव कुमार ने एक प्रजेंटेशन के माध्यम से अहमदाबाद स्टेशन के पुनर्विकास कार्य की अद्यतन प्रगति से महाप्रबंधक को अवगत कराया।

इस महत्वपूर्ण निरीक्षण के दौरान, महाप्रबंधक के साथ मंडल रेल प्रबंधक सहित अहमदाबाद मंडल के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। यह निरीक्षण पश्चिम रेलवे की संरक्षा मानकों को बनाए रखने, यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने और चल रही विकास परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

श्री वेद प्रकाश ने अहमदाबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) का कार्यभार ग्रहण किया

भारतीय रेल यातायात सेवा (आईआरटीएस) के 1998 बैच के प्रतिष्ठित अधिकारी, श्री वेद प्रकाश ने दिनांक 26.07.2025 को अहमदाबाद के नये मंडल रेल प्रबंधक का कार्यभार निवर्तमान मंडल रेल प्रबंधक श्री सुधीर कुमार शर्मा से ग्रहण किया।

श्री वेद प्रकाश को रेल मंत्रालय, रेलवे संचालन, लोजीस्टिक, प्रिंट और इलेक्ट्रोनिक मीडिया सहित जनसंपर्क के विभिन्न पहलुओं में 25 वर्षों से अधिक का व्यापक अनुभव है। आपने सेंट कोलंबस कॉलेज, हजारीबाग से भूविज्ञान में बी.एससी. (ऑनर्स) की उपाधि प्राप्त की है और एमडीआई, गुड़गांव से परिवहन अर्थशास्त्र में प्रमाणपत्र और रेलवे स्टाफ कॉलेज, वडोदरा से प्रबंधन विकास कार्यक्रम पूरा किया है।

इस नियुक्ति से पहले श्री प्रकाश रेल मंत्री के विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) के रूप में कार्यरत थे, जहाँ आपने दैनिक रेल संचालन, राजस्व सृजन, बुनियादी ढाँचे के निर्माण और उच्च-स्तरीय सार्वजनिक कार्यक्रमों और मंत्रिस्तरीय दौरों के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आपके कार्यकाल में रेल मंत्रालय के लिए सोशल मीडिया सहभागिता रणनीतियों की सफल योजना और क्रियान्वयन, अमृत स्टेशनों के पुनर्विकास की पहल सहित ट्रेनों के उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास समारोहों से संबंधित 1000 से अधिक कार्यक्रमों का समन्वय भी शामिल है। आपने अमृत स्टेशनों का पुनर्विकास और 1,500 आरओबी/आरयूबी का

निर्माण जिसमें 40.5 लाख लोगों ने भागीदारी की जो एक (लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स) है, इससे पूर्व प्रथम चरण में 508 अमृत स्टेशनों का पुनर्विकास कार्यक्रम में 11 लाख से अधिक लोगों की उपस्थिति दर्ज की। 12 मार्च 2023 को विभिन्न रेलवे परियोजनाओं से संबंधित कार्यक्रमों का सफल आयोजन, 6 लाख से अधिक लोगों की उपस्थिति इत्यादि।

श्री प्रकाश के प्रभावशाली करियर में डीएफसीसीआईएल में महाप्रबंधक संचालन एवं संचार समन्वयक जैसे महत्वपूर्ण नेतृत्वकारी पद शामिल हैं, जहाँ आपने परीक्षण ट्रेन संचालन शुरू करने और डीएफसीसीआईएल की ब्रांड छवि स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रेल मंत्रालय में निदेशक, कोचिंग के रूप में, आपने प्रतिदिन 10,000 से अधिक ट्रेनों के संचालन का कुशलतापूर्वक प्रबंधन किया, कई नई ट्रेनों की शुरूआत और ठहराव की व्यवस्था की और कुंभ मेले के दौरान 1500 विशेष ट्रेनें चलाकर यात्रियों की आवाजाही का सफलतापूर्वक प्रबंधन किया। आपको 2018-19 में चुनावों के सफल संचालन हेतु रिकॉर्ड फोर्स मूवमेंट के संबंध में भारत के राष्ट्रपति द्वारा चुनावों के सफल प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है।

अगस्त 2015 से जुलाई 2018 तक रेल मंत्रालय में सूचना एवं प्रचार निदेशक के रूप में श्री प्रकाश ने भारतीय रेलवे के लिए एक समग्र संचार रणनीति विकसित और कार्यान्वित की और 17 जोन और 69 मंडलों में एक विशाल टीम का नेतृत्व किया। विभिन्न आउटरीच प्रयासों के माध्यम से भारतीय रेलवे के मंत्री के कार्यक्रम, सोशल मीडिया, सूचना ब्रोशर, मेलर्स, समाचार पत्र विज्ञापन आदि पर सकुशल कार्य किया। आपने कार्यक्रम समन्वय के तौर माननीय प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से पर रेल विकास शिविर सहित 13 लाख से अधिक कर्मचारियों को शामिल करने वाले मेगा विचारमंथन कैंप सहित मंत्रालय के 100 से अधिक मेगा कार्यक्रमों का प्रबंधन किया।

उल्लेखनीय रूप से वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक, धनबाद (जुलाई 2010 - अगस्त 2015) के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान मंडल के राजस्व अर्जन में उल्लेखनीय 100% वृद्धि हासिल की जो 4714 करोड़ रुपये से बढ़कर 10031 करोड़ रुपये हो गई और माल ढुलाई की मात्रा में 35% की वृद्धि हुई। धनबाद मंडल को भारतीय रेलवे के 100 मिलियन टन लोडिंग मंडलों के विशिष्ट क्लब में भी शामिल कराया।

श्री प्रकाश को कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है जिनमें चुनाव प्रबंधन में उनकी भूमिका के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार, 2007 में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार और दो बार उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए महाप्रबंधक पुरस्कार शामिल हैं। आपको सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए कई माल ढुलाई दक्षता और समग्र संचालन शील्ड भी प्राप्त हुए हैं।

आपका विविध अनुभव, असाधारण नेतृत्व कौशल और परिचालन दक्षता, राजस्व और जनसहभागिता बढ़ाने का उल्लेखनीय ट्रैक रिकॉर्ड अहमदाबाद मंडल के लिए अमूल्य होगा। श्री प्रकाश उत्कृष्टता और प्रभावी मानव प्रबंधन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते हैं, ये कौशल निस्संदेह मंडल को नई ऊँचाइयों की ओर ले जाएँगे।

नवी मुंबई में महिला की ऑडी कार खाई में गिरी, मरीन गाड्र्स ने रेस्क्यू किया

नवी मुंबई के बेलापुर इलाके में एक महिला को गूगल मैप्स की बात मानना महंगा पड़ गया। बेलापुर से उल्वे की ओर जा रही महिला ने जैसे ही अपने मोबाइल स्क्रीन पर दिखाए किया, वह अनजाने में एक खतरनाक मोड़ पर पहुँच गई।

गूगल मैप्स ने उसे ब्रिज के बजाय ब्रिज के नीचे बने रास्ते पर मोड़ दिया - और कुछ ही मिनटों में उसकी ऑडी कार एक गहरे गड्ढे (खाई) में जा गिरी। ये हादसा शुक्रवार देर रात करीब 1 बजे हुआ।

महिला कार में अकेली थी और राहत की बात ये रही कि आसपास मौजूद मरीन सिक्योरिटी गाड्र्स ने फुर्ती से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया और कुछ ही मिनटों में महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। स्थानीय पुलिस के मुताबिक, महिला गूगल मैप्स के निर्देशों के चलते उल्टा रूट पकड़ बैठी और गड्ढे में फंस गई।

कैसे हुआ हादसा?

न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, यह घटना 25 जुलाई की देर

रात लगभग 1 बजे की है। महिला अपनी ऑडी कार से बेलापुर से उल्वे की ओर जा रही थी। उसे बेलापुर के बे ब्रिज से होकर गुजरना था, लेकिन गूगल मैप्स ने उसे पुल के नीचे स्थित एक रास्ते की ओर मोड़ दिया, जो ध्रुवतारा जेटी की ओर जाता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, महिला जैसे ही गूगल मैप्स के निर्देशों पर चलती हुई उस रास्ते पर आगे बढ़ी, कुछ ही मिनटों में उसकी कार एक खाई में गिर गई। महिला उस समय कार में अकेली थी।

जैसे ही घटना की जानकारी मिली, मरीन सुरक्षा गाड्र्स की टीम और बेलापुर पुलिस की स्थानीय टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। बेलापुर के सहायक पुलिस निरीक्षक नारायण पालमपल्ली ने बताया कि मरीन सुरक्षा दल की एक नाव की मदद से महिला को सुरक्षित रूप से खाई से बाहर निकाला गया।

राहत की बात यह रही कि महिला को कोई गंभीर चोट नहीं आई और पूरी रेस्क्यू प्रक्रिया कुछ ही मिनटों में पूरी हो गई।

तरसाई स्टेशन पर दो अतिरिक्त ट्रेनों का ठहराव मिलने पर ग्रामीणों ने ड्राइवर और गार्ड को मिठाई खिलाकर रेल प्रशासन का आभार व्यक्त किया

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन संख्या 19571/19572 राजकोट-पोरबंदर-राजकोट दैनिक ट्रेन और ट्रेन संख्या 59560/59557 भावनगर-पोरबंदर-भावनगर दैनिक ट्रेन को तरसाई स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। उपरोक्त दोनों ट्रेनें 25 जुलाई, 2025 से तरसाई स्टेशन पर रूक रही हैं। भावनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी के अनुसार विवरण इस प्रकार हैः-

पोरबंदर से राजकोट और पोरबंदर से भावनगर जाने वाली दो ट्रेनों को तरसाई स्टेशन पर ठहराव मिलने पर ग्रामीणों ने ड्राइवर और गार्ड को मिठाई खिलाकर रेल प्रशासन का दिल से आभार व्यक्त किया।

भावनगर टर्मिनस से चलने वाली ट्रेन संख्या 59560 भावनगर टर्मिनस-पोरबंदर दैनिक तरसाई स्टेशन पर 21.01 बजे पहुंचती है और 21.02 बजे प्रस्थान करती है। इसी प्रकार, पोरबंदर से चलने वाली ट्रेन संख्या 59557 पोरबंदर-भावनगर टर्मिनस दैनिक तरसाई स्टेशन पर 07.49 बजे पहुंचती है और 07.50 बजे प्रस्थान करती है।

राजकोट से चलने वाली ट्रेन संख्या 19571 राजकोट-पोरबंदर दैनिक तरसाई स्टेशन पर 10.52 बजे पहुंचती है और 10.53 बजे प्रस्थान करती है। इसी प्रकार, पोरबंदर से चलने वाली ट्रेन संख्या 19572 पोरबंदर-राजकोट दैनिक तरसाई स्टेशन पर 14.55 बजे पहुंचती है और 14.56 बजे प्रस्थान करती है।

28 जुलाई से 01 अगस्त 2025 तक रेलवे क्रॉसिंग नं. 35 (विरोचन नगर फाटक) बंद रहेगा

अहमदाबाद मण्डल के विरोचन नगर-जखवाड़ा स्टेशनों के बीच स्थित रेलवे क्रॉसिंग नंबर 35 (विरोचन नगर फाटक) कि.मी.541/23-25, मरम्मत एवं रखरखाव कार्य के लिए 28 जुलाई 2025 को प्रातः 08.00 बजे से 01 अगस्त 2025 को सायं 20.00 बजे तक बंद रहेगा।

इस अवधि के दौरान हल्के वाहन लेवल क्रॉसिंग संख्या 32 (छारोडी रेलवे फाटक) से तथा भारी वाहन लेवल क्रॉसिंग संख्या 37 (सचाना रेलवे फाटक) से आवागमन कर सकते है।

यूपी में अगला बीजेपी अध्यक्ष कौन? भाजपा हाईकमान के सामने रखे गए ये 6 नाम, जल्द होगा फैसला

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (BJP) की प्रदेश इकाई को नया अध्यक्ष जल्द ही मिलने वाला है। पार्टी ने छह संभावित नामों की सूची राष्ट्रीय नेतृत्व को भेजी है, जिसमें दो ब्राह्मण, दो पिछड़ा वर्ग और दो दलित वर्ग से आने वाले नेता शामिल हैं। सभी छह नाम पुरुष नेताओं के हैं। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने यह जानकारी दी।

यूपी देश का सबसे अधिक जनसंख्या वाला राज्य है और 2027 की शुरूआत में यहां विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में राज्य अध्यक्ष का चयन बीजेपी के लिए एक अहम निर्णय माना जा रहा है। पार्टी का लक्ष्य लोकसभा चुनाव 2024 में मिली हार की भरपाई करना और 2027 में लगातार तीसरी बार लखनऊ की सत्ता में वापसी करना है।

भाजपा अब तक 37 में से 25 से अधिक संगठनात्मक इकाइयों के अध्यक्ष घोषित कर चुकी है और अब राष्ट्रीय अध्यक्ष के चयन की तैयारी भी कर रही है। ऐसे में उत्तर प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा भी कुछ ही दिनों में हो सकती है।

कौन लेगा भूपेंद्र सिंह की जगह?

नए प्रदेश अध्यक्ष मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी की जगह लेंगे, जो पश्चिमी उत्तर प्रदेश से आने वाले जाट समुदाय के प्रभावशाली नेता हैं। उनके कार्यकाल में पार्टी ने संगठन को मजबूत किया, लेकिन लोकसभा चुनावों में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर सकी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक,

जिन छह नामों को राष्ट्रीय नेतृत्व के पास भेजा गया है, उनमें शामिल हैंः

ब्राह्मण समुदाय सेः

दिनेश शर्माः पूर्व उपमुख्यमंत्री और शिक्षाविद्। साफ-सुथरी छवि और संगठन में गहरी पकड़ के लिए जाने जाते हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (फ्ीर) और शीर्ष नेतृत्व में उनकी अच्छी साख है।

हरीश द्विवेदीः बस्ती से पूर्व सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय सचिव रह चुके हैं। युवा और ऊजार्वान चेहरा होने के साथ संसदीय अनुभव भी रखते हैं।

पिछड़ा वर्ग (डइउ) सेः

धर्मपाल सिंहः यूपी सरकार में वरिष्ठ मंत्री। लोध समुदाय से आते हैं। उनके पास वर्षों का विधायी और मंत्री पद का अनुभव है।

बीएल वर्माः वर्तमान में केंद्र सरकार में राज्य मंत्री हैं। संघ से गहरा जुड़ाव, अनुशासनप्रियता और संगठनात्मक समझ के लिए जाने जाते हैं।

दलित वर्ग सेः

राम शंकर कठेरियाः पूर्व केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के पूर्व अध्यक्ष। दलित चेतना और हिंदुत्व के आक्रामक प्रवक्ता माने जाते हैं।

विद्यासागर सोनकरः वर्तमान में विधान परिषद सदस्य (टछउ)। पूर्वांचल में मजबूत पकड़ रखते हैं और पार्टी के पुराने, वफादार कार्यकताओं में गिने जाते हैं।

दो हफ्तों में जारी होगा फाइनल लिस्ट

पार्टी के वरिष्ठ नेता ने हिंदुस्तना टाइम्स से बातचीत करते हुए कहा, "हमने केंद्रीय नेतृत्व को उत्तर प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष के लिए योग्य नाम सुझा दिए हैं। इन नामों पर गंभीरता से विचार हो रहा है। दो हफ्तों के भीतर या उससे पहले ही नए अध्यक्ष का नाम घोषित किया जा सकता है।"

वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने भी हाल ही में बयान दिया, "हमने हाईकमान को अपनी राय दे दी है। अब फैसला केंद्रीय नेतृत्व को लेना है और हमें उम्मीद है कि यह जल्द ही घोषित कर दिया जाएगा।"

क्यों महत्वपूर्ण है यह चयन?

उत्तर प्रदेश का भाजपा अध्यक्ष केवल संगठनात्मक पद नहीं, बल्कि आगामी राजनीतिक रणनीति का प्रमुख चेहरा होता है। पार्टी को 2027 के विधानसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करना है। 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी को यूपी में भारी नुकसान उठाना पड़ा, जहां वह 80 में से केवल 33 सीटें ही जीत सकी।

नए अध्यक्ष का चयन जातीय संतुलन, संगठनात्मक क्षमता, क्षेत्रीय प्रभाव और संघ से निकटता जैसे तमाम पहलुओं को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि पार्टी अनुभव को तरजीह देती है या किसी नए, युवा और आक्रामक नेता को जिम्मेदारी सौंपती है।

रणवीर सिंह के हाथ लगा तगड़ा प्रोजेक्ट, अमित शर्मा की टाइम ट्रैवल फिल्म में करेंगे काम!

(जीएनएस)।

रणवीर सिंह इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'धुरंधर' को लेकर चर्चा में हैं। इसे आदित्य धर बना रहे हैं। यह फिल्म दिसंबर 2025 में रिलीज होने वाली है और इसकी शूटिंग जल्द ही खत्म होने वाली है। 'धुरंधर' के बाद, रणवीर जनवरी में फरहान अख्तर की फिल्म 'डॉन 3' में काम शुरू करेंगे।

हाल ही में, रणवीर सिंह को मैडॉक ऑफिस में देखा गया। जिसके बाद से उनके एक और नए प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। पिंकविला की रिपोर्ट के अनुसार, दिनेश विजान ने रणवीर सिंह को एक बड़े बजट की फिल्म ऑफर की है।

सोर्सेस के मुताबिक, रणवीर सिंह, दिनेश विजान के साथ एक टाइम-ट्रैवल फिल्म के लिए बातचीत कर रहे हैं। जिसका निर्देशन अमित रवींद्रनाथ शर्मा (बधाई हो, और मैदान) करेंगे। रणवीर को फिल्म की कहानी पसंद आई है। ये भारतीय पौराणिक कथाओं पर आधारित है। रणवीर को वह दुनिया पसंद आई है जिसे दिनेश विजान और अमित रवींद्रनाथ शर्मा बनाना चाहते हैं। यह एक अनोखी टाइम ट्रैवल फिल्म है।

हालांकि, अभी तक रणवीर ने फिल्म साइन नहीं की है। क्योंकि अभी स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है। एक बार जब यह पूरी तरह से तैयार हो जाएगी। दिनेश विजान और अमित शर्मा फिलहाल टाइम ट्रैवल के इस विचार पर एक सही कहानी डेवलेप करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

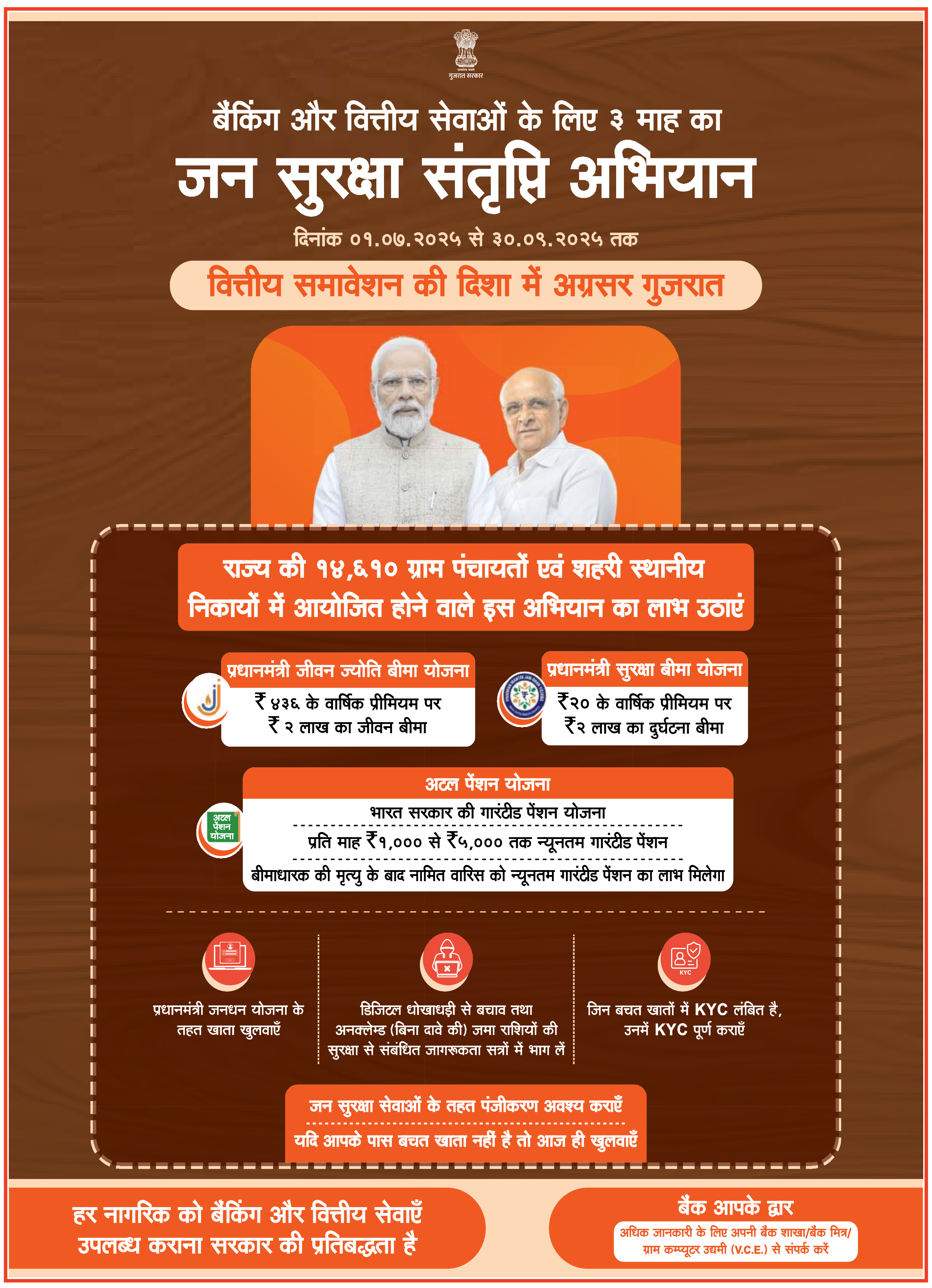

धर्म सम्राट करपात्री जी महाराज की जन्म जयंती मनाई गई

तपोभूमि गुरुकुल वैदिक संस्कृत महाविद्यालय में जुटे अनेक शिष्य व श्रद्धालु

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व संध्या पर किया था स्वामिश्री को नमन

भारत की अक्षुण्णता को बनाए रखने में संतों का रहा महान योगदान –राम महेश मिश्र

धर्मसापेक्ष, पक्षपातविहीन, लोकतांत्रिक अध्यात्मवाद के प्रणेता थे स्वामी करपात्री जी महाराज – डॉ. सप्तर्षि मिश्र

महाकालेश्वर आश्रम परिवार स्वामिश्री के आदर्शों पर चलने को प्रतिबद्ध है –ब्रह्मचारी शंकर चैतन्य

एलआर

लखनऊ। देश ही नहीं, विश्व के जाने–माने संन्यासी संत, धर्म सम्राट के नाम से प्रसिद्ध, स्वामिश्री करपात्री जी महाराज की 118वीं जन्म जयंती आज लखनऊ में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कानपुर मार्ग बंथरा स्थित तपोभूमि गुरुकुल वैदिक संस्कृत महाविद्यालय के तपोभूमि मंडपम में अखिल भारतवर्षीय धर्म संघ द्वारा आयोजित विचार संगोष्ठी में अनेक वक्ताओं ने अपने विचार रखे।

भाग्योदय फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं संस्थापक आचार्य राम महेश मिश्र ने इस अवसर पर कहा कि भारत की लम्बी गुलामी के दौर में इस्लाम एवं ईसाईयत से सनातन संस्कृति की रक्षा, भारत को आजाद कराने तथा इस राष्ट्र की आजादी को अक्षुण्ण बनाए रखने में महान तपस्वी संतों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। श्री मिश्र ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस शम्भु नाथ श्रीवास्तव द्वारा लिखित पुस्तक "भारतीय संस्कृति के रक्षक सन्त" का उल्लेख करते हुए बताया कि न्यायमूर्ति श्रीवास्तव द्वारा 383 जिन महान संतों का उल्लेख इस पुस्तक में किया गया है, जिनका 712 ईस्वी से लेकर 1947 तक भारत की जड़ों को सींचने, उन्हें मजबूत करने, भारत को गुलामी से मुक्ति दिलाने, प्राप्त आजादी को अक्षुण्ण बनाए रखने में सक्रिय योगदान रहा, उनमें स्वामिश्री करपात्री जी महाराज का नाम प्रमुख है।

इस अवसर पर अखिल भारतवर्षीय धर्म संघ के राष्ट्रीय संयोजक एवं तपोभूमि गुरुकुल वैदिक संस्कृत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर सप्तर्षि मिश्र ने कहा कि स्वामिश्री जी महाराज का व्यक्तित्व बहुत ऊंचा रहा है। वह धर्म सापेक्ष, पक्षपात विहीन, लोकतांत्रिक अध्यात्मवाद के महान प्रणेता रहे हैं। उन्होंने स्वामिश्री के निर्देशन में समूचे राष्ट्र में हुए अनेक धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों एवं स्थापनाओं पर भी प्रकाश डाला।

मुख्यमंत्री ने 'कारगिल विजय दिवस' के अवसर पर कारगिल शहीद स्मृति वाटिका में शहीदों की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि दी

मुख्यमंत्री ने कारगिल युद्ध में शहीदों के परिजनों को स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया

भारत के वीर जवानों ने देश की आन–बान–शान के खिलाफ दुश्मनां के दुस्साहस को सदैव मुंहतोड़ जवाब दिया : मुख्यमंत्री

'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' तथा 'समर्थ व सशक्त भारत' बनाये जाने तथा 'आत्मनिर्भर व विकसित भारत' की संकल्पना को साकार करने के लिए हमें एकजुट होकर आगे बढ़ना होगा

विजय का वरण वही कर सकता है, जो चुनौतियों से जुझेगा और उनका सामना करेगा

शहीद होने वाले जवानों के परिजनों को 50 लाख रु0 की आर्थिक सहायता व परिवार के एक सदस्य को प्रदेश में नौकरी दी जाती

प्रत्येक जनपद में वीर सैनिकों के बलिदान के प्रतीकस्वरूप स्मारक बनने चाहिए

अग्निवीर जवानों को रिटायर होने पर उ0प्र0 पुलिस बल में

20 प्रतिशत आरक्षण उपलब्ध कराने की कार्यवाही आगे बढ़ायी गयी

ऑपरेशन सिन्दूर के माध्यम से भारत ने अपने शौर्य व पराक्रम को प्रदर्शित किया

विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए देश को जाति, क्षेत्र, भाषा के नाम पर बांटने वाले षड़यन्त्रों से सावधान रहना होगा

एलआर

लखनऊ नगर निगम द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण में देश में तीसरा स्थान प्राप्त किये जाने की उपलब्धि अचानक नहीं आयी, इसके लिए परिश्रम किया गया

लखनऊ : 26 जुलाई, 2025

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि भारत के वीर जवानों ने देश की आन–बान–शान के खिलाफ दुश्मनां के दुस्साहस को सदैव मुंहतोड़ जवाब दिया है। उन्होंने अपना बलिदान देकर भी भारत की

एकता और अखण्डता को अक्षुण्ण बनाये रखा है। 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' तथा 'समर्थ व सशक्त भारत' बनाये जाने तथा 'आत्मनिर्भर व विकसित भारत' की संकल्पना को साकार करने के लिए हमें एकजुट होकर आगे बढ़ना होगा। कारगिल विजय दिवस हमें यही संदेश दे रहा है। जिन वीर सैनिकों ने देश को सुरक्षित रखने के लिए अपना बलिदान दिया है, उनकी प्रेरणा है कि हम एक रहें।

मुख्यमंत्री जी आज यहां कारगिल शहीद स्मृति वाटिका में 'कारगिल विजय दिवस' के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कारगिल शहीद स्मृति वाटिका में शहीदों की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कार्यक्रम में कारगिल युद्ध में शहीद हुए कैप्टन मनोज कुमार पाण्डेय, मेजर रितेश शर्मा, लांस नायक केवलानन्द द्विवेदी तथा राइफलमैन सुनील जंग के परिजनों को स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री जी ने मातृभूमि की एकता और अखण्डता तथा देश की रक्षा के लिए अपना बलिदान देने वाले भारत माता के सभी बहादुर सपूतों को श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज हम नगर निगम लखनऊ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का हिस्सा बन रहे हैं। एक तरफ हम कारगिल युद्ध के योद्धाओं का स्मरण कर उनके परिजनों का सम्मान कर रहे हैं। दूसरी ओर लखनऊ नगर निगम ने भारत के स्वच्छता सर्वेक्षण में देश में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि अचानक नहीं आयी है, इसके लिए परिश्रम किया गया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कारगिल सामरिक दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण व चुनौतीपूर्ण क्षेत्र था। यह युद्ध पाकिस्तान द्वारा थोपा गया था। मई, 1999 में स्थानीय चरवाहों ने कारगिल की पहाड़ियों पर घुसपैठ की सूचना भारतीय सेना को दी थी। इसके खिलाफ तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने ऑपरेशन विजय को आगे बढ़ाया था। 26 जुलाई, 1999 को कारगिल विजय की घोषणा हुई थी। युद्ध में पाकिस्तान की सेना ऊंचाई पर थी, जबकि भारतीय सैनिक नीचे थे। लेकिन भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम के सामने पाकिस्तान ने घुटने टेक दिये थे।

उस समय पाकिस्तान के राष्ट्रपति ने अमेरिका के माध्यम से भारत पर दबाव बनाने का प्रयास किया, लेकिन श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी अमेरिका के दबाव के सामने नहीं झुके। अन्ततः पाकिस्तान को आत्मसमर्पण करना पड़ा। आज हम कारगिल विजय दिवस के रूप में पूरे उत्साह और उमंग के साथ भारत माता के उन महान सपूतों को नमन कर रहे हैं। जब भी देश की आन–बान–शान के लिए अपना बलिदान करने की आवश्यकता पड़ी है, तो हमारे जवानों ने पीछे मुड़कर नहीं देखा है।

विजय का वरण वही कर सकता है, जो चुनौतियों से जुझेगा और उनका सामना करेगा। जो युद्ध नहीं लड़ेगा, चुनौती स्वीकार नहीं करेगा तथा पलायन का रास्ता अपनाएगा, वह कभी सफलता प्राप्त नहीं कर सकता है। समाज में विद्वेष पैदा कर उसे बांटने वाले तत्व नहीं, बल्कि चुनौतियों से जुझते हुए अपना मार्ग प्रशस्त करने वाले लोग ही अपनी मंजिल प्राप्त करते हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राष्ट्र की एकता और अखण्डता सदैव बलिदान मांगती है। हमे भी इसमें अपना योगदान देना होगा। यदि आज हम चैन से सो पाते हैं, समृद्धि के मार्ग पर आगे बढ़ पाते हैं, विकास के नये आयामों का लाभ ले पाते हैं और आधुनिक सुविधाओं से लाभान्वित हो पाते हैं, तो इसका कारण यह है कि भारत के वीर जवान सम–विषम परिस्थितियों का सामना करते हुए देश की सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कारगिल के युद्ध में लखनऊ के जांबाज जवान कैप्टन मनोज कुमार पाण्डेय, कैप्टन आदित्य मिश्रा, लांस नायक केवलानन्द द्विवेदी, रायफल मैन सुनील जंग तथा मेजर रितेश शर्मा के योगदान का स्मरण पूरा देश करता है। आज हमें इन वीर जवानों के परिजनां का सम्मान करने का अवसर प्राप्त हुआ है। वा' व आन्तरिक सुरक्षा में शहीद होने वाले जवानों के परिजनों को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरणा से प्रदेश सरकार द्वारा 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता व परिवार के एक सदस्य को प्रदेश सरकार में नौकरी देती है।

सीआईआई उत्तरी क्षेत्र ने 2025-26 के लिए नई चेयरपर्सन की घोषणा की अंजलि सिंह बनीं सीआईआई उत्तरी क्षेत्र की चेयरपर्सन

शनिवार, 26 जुलाई 2025 गुरुग्राम

एलआर

भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) उत्तरी क्षेत्र ने आनंद समूह की एग्जीक्यूटिव चेयरपर्सन श्रीमती अंजलि सिंह को वर्ष 2025-26 के लिए सीआईआई उत्तरी क्षेत्र की नई चेयरपर्सन नियुक्त किया है। यह नियुक्ति सोना कॉमस्टार के चेयरमैन श्री संजय कपूर के आकस्मिक निधन के बाद की गई है। श्री कपूर, जिन्होंने इस वर्ष की शुरूआत में यह पदभार संभाला था, एक प्रेरणादायक नेता और कई प्रगतिशील औद्योगिक पहलों के सूत्रधार थे। उनका निधन उद्योग जगत और सीआईआई परिवार के लिए एक गहरी क्षति है।

नेतृत्व की यह जिम्मेदारी संभालते हुए श्रीमती अंजलि सिंह दशकों का कॉरपोरेट गवर्नेंस, नेतृत्व और रणनीतिक दिशा में अनुभव लेकर आई हैं। वे भारत के प्रमुख ऑटो कंपोनेंट समूहों में से एक की अगुवाई करती हैं और 'मेक इन इंडिया' पहल की प्रबल समर्थक रही हैं। इस नई भूमिका में वे सीआईआई के सात उत्तरी राज्यों—दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश—तथा केंद्र शासित प्रदेशों—चंडीगढ़, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में संस्था की गतिविधियों का नेतृत्व करेंगी। उनकी नियुक्ति न केवल उनके व्यावसायिक नेतृत्व का प्रतीक है, बल्कि भारत की विकास गाथा के प्रति उनके गहरे समर्पण को भी दशार्ती

है—एक दृष्टिकोण जो दृढ़ता और महत्वाकांक्षा से आगे बढ़ रहा है।

अपने दृष्टिकोण को साझा करते हुए, श्रीमती सिंह ने कहा, ह्लयह एक ऐसा क्षण है जो सोच और जिम्मेदारी दोनों की मांग करता है। मैं यह भूमिका बेहद दुखद परिस्थितियों में संभाल रही हूं, लेकिन क्षेत्र और राष्ट्र की सेवा के लिए पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करूंगी। मेरी प्राथमिकताएं होंगी—उत्तरी राज्यों में अगली पीढ़ी के सुधारों को आगे बढ़ाना, जिला स्तरीय विकास कार्यक्रम शुरू करना जिससे उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़े, और सभी आकार के उद्योगों में एरऋकार्यान्वयन को गति देना। साथ ही, हम भविष्य की कार्यबल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नए कौशल केंद्रों की स्थापना, एमएसएमई सेक्टर में डिजिटल व तकनीकी अपनाने को बढ़ावा देने, और महिलाओं व अल्पप्रतिनिधित्व वाले समूहों की भागीदारी को सक्षम बनाने पर भी विशेष ध्यान देंगे। हम यह भी सुनिश्चित करेंगे कि विभिन्न राज्यों में सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं का आदान–प्रदान हो, जिससे नवाचार को बढ़ावा मिले और पूरे क्षेत्र में समान रूप से प्रगति हो ॄ

श्रीमती सिंह आनंद समूह की ग्रुप सुपरवाइजरी बोर्ड की चेयरपर्सन हैं, जो समूह की रणनीतिक साझेदारियों, प्रदर्शन, कॉरपोरेट गवर्नेंस और दीर्घकालिक दृष्टिकोण की देखरेख करता है। वे गैब्रियल इंडिया की एग्जीक्यूटिव चेयरपर्सन और डाना आनंद इंडिया की चेयरपर्सन भी हैं। समूह की भविष्य तकनीक शाखा, एएनईवॉल्व, स्वच्छ और सतत प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने की उनकी रणनीतिक प्रतिबद्धता को दशार्ती है—जो गतिशीलता और पर्यावरणीय संरक्षण के बदलते परिदृश्य के अनुरूप है।

वर्तमान में श्रीमती सिंह सीआईआई की नेशनल कोएलिशन फॉर द फ्यूचर ऑफ मोबिलिटी की को–चेयर हैं और उन्होंने सीआईआई हरियाणा स्टेट काउंसिल (2023) की चेयरपर्सन, सीआईआई रीजनल कमेटी ऑन एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग, सीआईआई नेशनल कमेटी ऑन स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग की को–चेयर, और सीआईआई इंटरनेशनल काउंसिल की सदस्य जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ निभाई हैं। वे सीआईआईझसीएसएम (VLFM) पहल की गवर्निंग बॉडी की सदस्य भी रही हैं।

इसके अतिरिक्त, श्रीमती सिंह ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (ACMA) के पश्चिमी क्षेत्र की चेयरपर्सन हैं और इसकी एग्जीक्यूटिव कमेटी की सदस्य भी हैं।

उनकी नियुक्ति सीआईआई की समावेशी विकास, औद्योगिक परिवर्तन और सतत विकास को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता को निरंतर बनाए रखने का संकेत देती है। यह न केवल उनके उत्कृष्ट नेतृत्व का सम्मान है, बल्कि एक आत्मनिर्भर, टिकाऊ और वैश्विक प्रतिस्पर्धा वाले भारत के निर्माण के लिए उनके अटूट समर्पण को भी एक सच्ची श्रद्धांजलि है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में पंचायत विभाग का अंतर जिला स्थानांतरण का नवीन दृष्टिकोण

पंचायत सेवा में 22 संवर्गों के वर्ग–3 के सीधी भर्ती वाले 1433 कर्मचारियों का पारदर्शी पद्धति से ऑनलाइन स्थानांतरण का पहला राउंड पूरा

गांधीनगर, 25 जुलाई : राज्य सरकार के पंचायत सेवा वर्ग–3 के सीधी भर्ती वाले कर्मचारियों के अंतर जिला स्थानांतरण के लिए ऑनलाइन, फेसलेस और पेपरलेस प्रक्रिया का दृष्टिकोण अपनाया गया है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने प्रशासन में पारदर्शिता और कार्यदक्षता को और अधिक बढ़ाने के लिए ऑनलाइन पद्धति से कर्मचारियों का स्थानांतरण करने का विजन अपनाया है।

पंचायत विभाग ने इस विजन को साकार करते हुए वर्ग–3 के सीधी भर्ती वाले कर्मचारियों की पूरी स्थानांतरण प्रक्रिया ऑनलाइन और वेब पोर्टल के माध्यम से संपूर्ण पारदर्शिता के साथ शुरू की है।

इस ऑनलाइन स्थानांतरण प्रक्रिया के अंतर्गत पंचायत विभाग ने पंचायत सेवा के 22 संवर्गों के वर्ग–3 के कुल 1433 सीधी भर्ती वाले कर्मचारियों के अंतर जिला स्थानांतरण के आदेश जारी किए हैं।

अंतर जिला स्थानांतरण का लाभ योग्य कर्मचारियों को मिले और पारदर्शिता बनी रहे, ऐसे कर्मचारी हितैषी दृष्टिकोण के साथ सीधी भर्ती वाले वर्ग–3 के पंचायत सेवा के कर्मचारियों के अंतर जिला स्थानांतरण का पहला राउंड पूरा कर लिया गया है।

लुलु मॉल और लुलु हाइपरमार्केट की लुलु टीम ने इस दिन को स्मरण करते हुए उन शूरवीर सैनिकों के साहस और बलिदान को नमन किया

एलआर

लखनऊ, 26 जुलाई 2025 लुलु मॉल और लुलु हाइपरमार्केट ने कारगिल विजय दिवस के अवसर पर लखनऊ कैंटोनमेंट क्षेत्र स्थित वॉर मेमोरियल जाकर देश के वीर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। लुलु टीम ने इस दिन को स्मरण करते हुए उन शूरवीर सैनिकों के साहस और बलिदान को नमन किया, जिन्होंने 1999 के कारगिल युद्ध में देश की रक्षा करते हुए अपना अमूल्य जीवन समर्पित कर दिया। यह उपस्थिति लुलु समूह की राष्ट्रभक्ति और देश के रक्षकों के प्रति सम्मान का प्रतीक रही। इस अवसर पर लुलु ग्रुप के रीजनल मैनेजर (यूपी और दिल्ली–एनसीआर) श्री नोमान अजीज खान ने कहा हम जो आज आजादी से साँस ले रहे हैं, वो उन्हीं वीरों के बलिदान की वजह से है। उनका साहस, त्याग और देशप्रेम हमें न केवल गर्व से भर देता है, बल्कि हर भारतीय को जिम्मेदारी का एहसास भी कराता है। लुलु परिवार की ओर से मैं उन सभी वीरों को शत–शत नमन करता हूँ, जिन्होंने अपनी जान देकर भारत माता की आन–बान और शान को बचाया ॄ कार्यक्रम के दौरान कर्नल एस. राजावेलु, डायरेक्टर वेटरन्स, मुख्यालय मध्य यूपी सब एरिया, ने कारगिल युद्ध में शहीद हुए सभी वीरों

के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कौन–कौन से योद्धा किस युद्ध में शामिल हुए, किसे परमवीर चक्र जैसे वीरता पुरस्कार प्राप्त हुए और किन चुनौतियों का उन्होंने सामना किया। उन्होंने विशेष रूप से उन कहानियों का उल्लेख किया जो वीरता, साहस और आत्मबलिदान की मिसाल हैं और जिन्हें वीर गाथा के रूप में याद किया जाता है। लुलु मॉल और लुलु हाइपरमार्केट का यह प्रयास एक छोटा–सा कदम है उन अनगिनत बलिदानों को याद रखने का, जिन्होंने राष्ट्र को गौरव प्रदान किया। लुलु समूह सदैव देश के रक्षकों और उनके परिवारों के प्रति संवेदनशील और कृतज्ञ रहेगा।

कलर्स का 'मंगल लक्ष्मी' – पेरेंटिंग और आज की युवा पीढ़ी के भावनात्मक संघर्षों पर खोल रहा है जरूरी संवाद

एलआर

ऐसे समय में जब पालन–पोषण सिर्फ नियमों और जिम्मेदारियों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि भावनाओं, अपेक्षाओं और अनकहे डर से जूझने की भी प्रक्रिया बन गया है — कलर्स का शो 'मंगल लक्ष्मी' (जिसमें दीपिका सिंह मुख्य भूमिका में हैं) इस सच्चाई को बेहद ईमानदारी से पर्दे पर उतार रहा है। भारतीय परिवारों की भावनात्मक परतों को उकेरने के लिए पहचाना जाने वाला यह शो अब और गहराई में जाकर उन मौन संघर्षों को दिखा रहा है, जिनसे आज की युवा पीढ़ी गुजर रही है। और साथ ही उन भावनात्मक चुनौतीपूर्ण स्थितियों को भी दिखा रहा है, जिनसे माता–पिता उन्हें समझने की कोशिश में गुजरते हैं। जो कहानी दो बहनों की थी, वह अब एक ऐसे परिवार की झलक बन गई है जहां प्यार और परवाह तो है, लेकिन साथ ही उलझन, टकराव और पीढ़ियों के बीच भावनात्मक दूरी को पाटने की लगातार कोशिशें भी मौजूद हैं।

जब बच्चे डिजिटल दुनिया में बड़े हो रहे हों, लगातार तुलना, प्रतिस्पर्धा और भावनात्मक दबाव झेल रहे हों, तो उनकी भीतरी दुनिया अक्सर नजरों से छूट जाती है। शो की यही सच्चाई दर्शाई गई है मंगल की बेटी इशाना के किरदार के जरिए — जो दिल टूटने, अस्वीकृति और खुद को देखे जाने की

तड़प से गुजर रही है। वह अपने दर्द को व्यक्त नहीं करती, बल्कि उसे भीतर ही सुलगने देती है, जिससे वह जोखिम भरे फैसलों और गुप्त अपराधों की ओर बढ़ने लगती है। जहां मंगल अपने परिवार की इज्जत बचाने के लिए कपिल से अपनी सगाई तोड़ देती है, वहीं उसे ये अंदाजा नहीं होता कि उसके अपने ही घर में एक भावनात्मक तूफान पनप रहा है। एक चौंकाने वाले मोड़ में सौम्या पुलिस को इशाना द्वारा भेजे गए ड्रग्स की जानकारी देती है, जिसके चलते मंगल को गिरफ्तार कर लिया जाता है। पूरा परिवार स्तब्ध रह जाता है — खासकर इशाना। क्या मंगल समय रहते समझ पाएगी कि उससे क्या फिसलता जा रहा है? या फिर जब तक सच्चाई सामने आएगी, बहुत देर हो चुकी होगी?

इस गहरे भावनात्मक ट्रैक पर दीपिका सिंह कहती हैं, "आज की पेरेंटिंग सिर्फ सीमाएं तय करना या सहारा देना नहीं है — यह चुप्पियों को समझने, अनकहे डर और चिंता को महसूस करने और भावनात्मक रूप से उपलब्ध रहने की प्रक्रिया है, उस दुनिया में जो पहले से कहीं ज्यादा तेज, शोरगुल से भरी और जटिल है। हमारे बच्चे ऐसे समय में बड़े हो रहे हैं, जहां लगातार तुलना, सोशल मीडिया का दबाव और ढेरों उम्मीदें हैं। वे बहुत कुछ झेल रहे हैं — लेकिन कहने के लिए शब्द नहीं हैं। इशाना की कहानी उन किशोरों की है जो अंदर ही अंदर एक भावनात्मक खालीपन से जूझते हैं — भले ही वो प्यार करने वाले घर में ही क्यों न हों। मंगल, जैसी कि हम में से कई माताएं होती हैं, सोचती है कि वह अपनी बेटी को सबकुछ दे रही है... लेकिन कई बार सिर्फ प्यार और परवाह भी किसी बच्चे को गलत रास्ते पर जाने से नहीं रोक पाती। मुझे उम्मीद है कि यह कहानी माता–पिता को उनके बच्चों के 'विद्रोह' में छुपी मदद की पुकार समझने में मदद करेगी।"

देखिए 'मंगल लक्ष्मी', हर सोमवार से शुक्रवार रात 9 बजे, सिर्फ कलर्स पर

'टॉपर–बॉटम बैच' का खेल खत्म! छात्रों की मेंटल हेल्थ को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त, 15 गाइडलाइंस जारी

(जीएनएस)।

देश में लगातार बढ़ती छात्र आत्महत्याओं को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा कदम उठाया है। कोर्ट ने इसे "व्यवस्था की बड़ी नाकामी" बताया है और शुक्रवार को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए सभी स्कूलों, कॉलेजों, विश्विद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, ट्रेनिंग सेंटरों और हॉस्टलों के लिए खास दिशा–निर्देश जारी किए हैं।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि अब हर शिक्षण संस्था को मानसिक स्वास्थ्य की सुरक्षा और छात्रों की भावनात्मक देखभाल के नियमों का सख्ती से पालन करना होगा। यह फैसला संविधान के अनुच्छेद 32 और 141 के तहत दिया गया है, यानी जब तक सरकार इस पर कानून नहीं बनाती, ये नियम सीधे कानून की तरह माने जाएंगे।

शीर्ष अदालत ने यह निर्णय उस मामले में लिया जिसमें एक 17 वर्षीय नीट (NEET) की तैयारी कर रही छात्रा – जिसे कोर्ट ने 'मिस एक्स' नाम दिया – ने जुलाई 2023 में विशाखापट्टनम स्थित आकाश बायजूस कोचिंग संस्थान में आत्महत्या कर ली थी। छात्रा के पिता द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के पहले के फैसले को पलटते हुए मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) को सौंप दी।

न्यायालय ने टिप्पणी की कि भारत के युवाओं में बढ़ती मानसिक परेशानी देश की शिक्षा प्रणाली में गहरे बैठे 'संरचनात्मक विकार' की ओर संकेत करती है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2022 में भारत में कुल 1,70,924 आत्महत्याएं हुईं, जिनमें से 7.6% – यानी करीब 13,044 – छात्र थे। इन मामलों में 2,200 से अधिक आत्महत्याएं सीधे परीक्षा में असफलता से जुड़ी थीं।

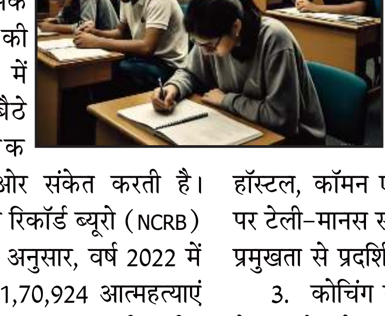

'हिंदी बनाम मराठी' विवाद से महाराष्ट्र की सियासत में बवाल, राज ठाकरे और निशिकांत दुबे की जुबानी जंग पहुंचा रउ

छात्रों के मेंटल हेल्थ की देख रेख और आत्महत्या की घटनाओं को रोकने के लिए कोर्ट ने UMMEED, MANODARPAN और राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति जैसे सरकारी कार्यक्रमों को आधार बनाकर ये निर्देश दिएः

1. मेंटल हेल्थ प्रोफेशनलः

हर वह संस्थान जहां 100 से अधिक छात्र हैं, वहां कम से कम एक प्रशिक्षित मनोवैज्ञानिक, काउंसलर या सामाजिक कार्यकर्ता की नियुक्ति अनिवार्य होगी। इससे छोटे संस्थानों को बाहरी विशेषज्ञों से रेफरल व्यवस्था बनानी होगी।

2. सुसाइड हेल्पलाइनः

हर कैंपस, हॉस्टल, कॉमन एरिया और वेबसाइट पर टेली–मानस समेत हेल्पलाइन नंबर प्रमुखता से प्रदर्शित करने होंगे।

3. कोचिंग संस्थानों और स्कूलों में प्रदर्शन के आधार पर बैचों में भेदभाव, सार्वजनिक रूप से शर्मिंदा करना और आक्रामक अकादमिक दबाव की नीतियां तत्काल प्रभाव से समाप्त की जाएंगी।

4. स्टाफ ट्रेनिंगः

सभी शिक्षण संस्थानों को साल में दो बार अपने स्टाफ को 'मनोवैज्ञानिक प्राथमिक चिकित्सा', चेतावनी संकेतों की पहचान और उचित रेफरल प्रक्रियाओं पर प्रशिक्षित करना होगा। एससी, एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस, छत्र्छ्ळद+ और दिव्यांग छात्रों से जुड़ी संवेदनशीलता के लिए विशेष प्रशिक्षण अनिवार्य होगा।

5. सेल्फ इंफ्रास्ट्रकचरः

हर रेजिडेंशियल संस्थान को आत्महत्या रोकथाम के लिए पंखों को छेड़छाड़–रहित (३ंस्री१–स्र१ङ्क्ष्ण) बनाना होगा और छतों व बालकनी की पहुंच सीमित करनी होगी।

6. रिपोर्टिंग एंड सपोर्ट मैकेनिज्मः

हर संस्थान में यौन उत्पीड़न, रैगिंग, जाति, लिंग, धर्म या यौन झुकाव आधारित भेदभाव की शिकायत दर्ज करने के लिए गोपनीय प्रणाली होनी चाहिए, जिसमें तुरंत मनोवैज्ञानिक समर्थन भी मिले।

7. अभिभावकों और छात्रों दोनों के लिए करियर मार्गदर्शन, सह–पाठ्यक्रम गतिविधियों का प्रोत्साहन और सफलता की पारंपरिक परिभाषाओं से आगे सोचने को संस्थानों को प्रेरित किया गया है।

रेगुलेटरी प्रावधानों पर भी सुप्रीम कोर्ट का सख्त रुख

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ये दिशानिर्देश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे और जब तक केंद्र या राज्य सरकारें इस पर विधायी कानून नहीं बनातीं, तब तक यही कानून का रूप होंगे। इसके साथ ही कोर्ट ने निर्देश दिया कि सभी राज्य और केंद्रशासित प्रदेश दो महीने के भीतर कोचिंग संस्थानों को नियंत्रित करने और छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नियम बनाएं।